www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2006

सामान्य हिन्दी

GENERAL HINDI

निर्धारित समय : तीन घण्टे] *[पूर्णांक : 150*

नोट : *(i) **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं ।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के पूर्णांक उसके अंत में दाहिनी ओर अंकित हैं ।

(iii) पत्र-लेखन में अपना नाम, पता अथवा अनुक्रमांक न लिखें । यदि अनिवार्य हो तो क्ष त्र ज्ञ (XYZ) लिख सकते हैं ।

1. भारत के मूल निवासी दस्यु थे । मोहन्जोदरो की खुदाई में जो नगर मिले हैं, मुंशी उन्हीं को उनका मूल स्थान मानते हैं । यह एक सुसंस्कृत और विकसित संस्कृति थी । दस्युओं के राजा शम्बर के पास सौ सुदृढ़ दुर्ग थे । आरम्भिक संघर्ष, युद्ध और विग्रह के बाद अन्ततः सम्मिलन, समाहार और सांस्कृतिक अन्तरावलम्बन की प्रक्रिया शुरू हुई । आर्यों के इतिहास की एक मुख्य समस्या यह थी कि विजित दस्युओं के साथ क्या और कैसा व्यवहार किया जाय । यदि उनकी हत्या कर दी जाए तो सेवा-चाकरी कौन करेगा ? यदि उन्हें जिन्दा रखा जाता है तो समाज में उनका पद और हैसियत क्या होगी ? दासी से उत्पन्न पुत्र का कुटुम्ब में क्या स्थान होगा ? इसी यक्ष-प्रश्न के संदर्भ में वशिष्ठ और विश्वामित्र दो परस्पर विरोधी विचार-दृष्टियों के संघर्ष के प्रतीक-पुरुष के रूप में सामने आते हैं । वशिष्ठ आर्य संस्कृति और रक्तशुद्धता के हामी थे, जबकि विश्वामित्र एक सामाजिक संस्कृति के पक्षधर थे जिसमें दस्युओं के समाज, रीति-व्यवहार और जीवन-पद्धति की एक विशिष्ट भूमिका थी ।

(क) इस गद्यांश के रेखांकित अंशों की व्याख्या कीजिए । $3 \times 5 = 15$

(ख) आर्यों और दस्युओं के सम्बन्धों के बारे में पाँच वाक्य लिखिए । 5

2. स्वतंत्रता न तो मात्र एक शब्द है और न ही सिर्फ एक सियासती छलावा ! स्वतंत्रता अगर सचमुच ही मानवीय व्यक्तित्व और उसकी सृजनात्मकता की सच्ची तृप्ति है, तो फिर उसमें मानव-जाति के बीच सही विचारों का सृजन और सम्बन्धों का विकास निहित है । स्वतन्त्रता पाकर आदमी दिमागी जकड़न और सीलन में पड़ा रहे, अतीत और बेबसी की लीपापोती करता रहे, तो फिर स्वतन्त्रता और उसकी सम्पूर्णता का बोध नहीं हो सकता । स्वाधीनता की अन्तिम परिणति स्खलन नहीं होती, यह दायित्व को और भी बुलन्द करती है । आदमी और आदमी के बीच की खाई को पाटने तथा बराबरी और भाईचारे का संकल्प ही इस राजनीतिक और वैचारिक क्रान्ति की सार्थकता हो सकती है । आजादी किसी दल-विशेष की नहीं होती, न ही किसी वर्ग या जाति विशेष की । वह तो सभी की होती है, सभी के हित में सभी को अवसर देने के लिए । उससे सम्पूर्ण सामाजिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के अवसर सामने आते हैं । इस अवसर को चूक जाने का मतलब होगा – आजादी को न पहचान पाना, उसकी कदर न कर पाना ! आजादी व्यक्ति की प्रगति के लिए होती है, व्यक्तिगत प्रगति के लिए नहीं ।

(क) इस अवतरण का उचित शीर्षक सुझाइये । 5

(ख) इस गद्यांश का सारांश लगभग 50 शब्दों में लिखिए । 15

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

3. (क) अर्द्ध सरकारी पत्र (Demi official letter) क्या होता है ? उसका एक प्रारूप प्रस्तुत कीजिए । 10

(ख) परिपत्र (Circular) किसे कहते हैं ? उसका एक प्रारूप तैयार कीजिए । 10

4. (अ) निम्नलिखित शब्दों से **पाँच** उपसर्ग छाँटिए : 10

(1) दुर्निवार

(2) अत्युक्ति

(3) बिकाऊ

(4) अधोगति

(5) लावारिस

(6) हिलोर

(7) उन्तीस

(8) हरएक

(आ) किन्हीं **पाँच** शब्दों के विलोम लिखिए : 10

(1) उपसर्ग

(2) एषणा

(3) कल्पनातीत

(4) रोगी

(5) पूर्ववर्ती

(6) भूगोल

(7) सुबोध

(8) श्रोता

(इ) निम्नलिखित वाक्यांशों में से किन्हीं **पाँच** के लिए एक-एक शब्द लिखिए : 10

(क) अतिथि की सेवा करने वाला ।

(ख) जिसे पराजित न किया जा सके ।

(ग) वह कवि जो तत्क्षण कविता कर सके ।

(घ) बहुत सी भाषाओं को जानने वाला ।

(ङ) किसी बड़े आदमी के निधन की वार्षिक तिथि ।

(च) पसीने से उत्पन्न होने वाला ।

(छ) गोद लिया हुआ पुत्र ।

(ज) जिसे बाहरी जगत् का ज्ञान न हो ।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(ङ) निम्नलिखित वाक्यों एवं गलत वर्तनी वाले शब्दों को शुद्ध कीजिए : 10

(क) आपके आर्शीवाद की आवश्यकता है ।

(ख) मेरे को दिल्ली जाना है ।

(ग) मैंने एक लोहे की बाल्टी खरीदी ।

(घ) पूज्यनीय मामाजी को नमस्कार कहना ।

(ङ) नेताजी बेफालतू में कार्यकर्त्ता को डाँटने लगे ।

5. निम्नलिखित में से **पाँच** मुहावरों और **पाँच** लोकोक्तियों का अर्थ लिखिए और वाक्यों में प्रयोग कीजिए : 30

(क) कालिख पोतना

(ख) कहीं का ईंट कहीं का रोड़ा भानुमती ने कुनबा जोड़ा

(ग) उड़ती चिड़िया पहचानना

(घ) ओछे की प्रीति बालू की भीती

(ङ) घूरे के दिन फिरना

(च) अन्धे के आगे रोवे अपने नैना खोवे

(छ) नहले पर दहला मारना

(ज) लेने के देने पड़ना

(झ) आधी छोड़ सारी को धावै, आधी मिले न पूरी पावै

(ञ) नक्कारखाने में तूती की आवाज

(ट) गवार चुस्त मुद्दई सुस्त

(ठ) होनहार बिरवान के होत चीकने पात

(ड) आड़े हाथों लेना

(ढ) गुड़ खाये, गुलगुलों से परहेज

(ण) नमक-मिर्च लगाना

6. हिन्दी भाषा में कार्यालयी कार्यों के त्वरित निष्पादन के लिए कम्प्यूटर के महत्त्व पर प्रकाश डालिए । 20